सत्यमेव जयते
Ministry of Health & Family Welfare
Government of India

USACS

NACO
National AIDS Control Organisation
India's response to HIV & Sexually Transmitted Infections
Ministry of Health & Family Welfare, Government of India
www.naco.gov.in

कंडोम का सही और नियमित उपयोग हर बार करें

एच.आई.वी., एस.टी.आई. और अनचाहे गर्भ से भी सुरक्षित रहें।

SAMPOORNA SURAKSHA

SURAKSHA SE SAMPOORNA SURAKSHA TAK

- कंडोम की ज़रूरत हर तरह के यौन संबंध (यौनि, गुदा, मुख) में है
- अंजान साथी के साथ यौन संबंध में कंडोम उपयोग महत्वपूर्ण है
- बिना कंडोम के सेक्स कर के ख़तरा मोल न लें
- संपूर्ण सुरक्षा केंद्र पर उपलब्ध नि:शुल्क कंडोम का लाभ उठाएं

अपनी और अपने यौन साथी की सुरक्षा की ज़िम्मेदारी, कंडोम लगाओ हर बारी।

एच.आई.वी. कैसे फ़ैलता है?

असुरक्षित यौन संबंध बनाने से

संक्रमित सुईं व सीरिंज साझा करने से

संक्रमित खून चढ़ाने से

संक्रमित माँ से बच्चे को

एच.आई.वी. से कैसे बचें ?

हर बार कंडोम का सही और निरंतर उपयोग करें

हर तरह के सेक्स में कंडोम का उपयोग करें

साथी से एच.आई.वी. और एस.टी.आई. पर चर्चा करें

सुईं, सीरिंज और कुकर को साझा न करें, आशंका होने पर जाँच करवाएं

यदि आप रिस्क पर हैं तो अपनी नियमित एच.आई.वी. और एस.टी.आई. जाँच करवाएं

आवश्यकता पड़ने पर रक्त, पंजीकृत रक्त बैंक से ही लें

अपनी समझदारी दिखाओ,
एच.आई.वी. से सुरक्षित हो जाओ।

AIDS Helpline 1097
जानें समझें, जुग-जुग जीयें!

एच.आई.वी. और एस.टी.आई. से जुड़ी निःशुलक परामर्श और सेवाओं के लिए संपूर्ण सुरक्षा केंद्र कोरोनेशन जिला चिकित्सालय, देहरादून पर आएं या अधिक जानकारी के लिए नेशनल टोल फ्री एड्स हेल्पलाइन 1097 पर संपर्क करें।

उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड

दूरभाष: 0135-2608885, **ई-मेल:** uksacs1@gmail.com, **वैबसाईट:** www.usacs.org.in

उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून द्वारा जनहित में जारी।

सत्यमेव जयते
Ministry of Health & Family Welfare
Government of India

USACS

NACO
National AIDS Control Organisation
India's response to HIV & Sexually Transmitted Infections
Ministry of Health & Family Welfare, Government of India
www.naco.gov.in

SAMPOORNA SURAKSHA
SURAKSHA SE SAMPOORNA SURAKSHA TAK

एस.टी.आई. को जानो, पहचानो और इलाज कराओ

अपना आज और कल सुरक्षित बनाओ

एस.टी.आई. क्या है ?

- यौन संचारित संक्रमण (एस.टी.आई.) अक्सर यौन संपर्क के माध्यम से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता हैं।
- समय से इलाज न कराने पर ये संक्रमण यौन संचारित रोगों (एस.टी.डी.) का कारण बनता है और इससे एच.आई.वी. होने का जोख़िम भी बढ़ता है।

अधिक होने वाले एस.टी.आई. :

- सिफ़िलिस
- सूजाक
- क्लैमाइडिया
- ट्राइकोमोनियासिस
- जननांग संबंधी परिसर्प (हर्पीस)
- षैण्क्रोइड
- जननांग संबंधी मस्सा यानी ह्यूमन पैपिलोमा वायरस
- एच.आई.वी. और हेपेटाइटिस भी एस.टी.आई. ही हैं

एस.टी.आई. कैसे होता है?

- एस.टी.आई. रोगाणु त्वचा पर या शरीर के तरल पदार्थ जैसे वीर्य, योनि द्रव या रक्त में रहते हैं
- ये रोगाणु योनि, मुंह, गुदा और खुले घावों या कट के माध्यम से शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। कुछ रोगाणु, जैसे कि दाद या जननांग मस्सा, किसी व्यक्ति को जननांगों की त्वचा के माध्यम से भी संक्रमित करते हैं
- संक्रमित व्यक्ति या अंजान व्यक्ति के साथ यौन संपर्क (मौखिक, योनि, गुदा) संक्रमित होने का सबसे आम तरीका है

एस.टी.आई. जाँच

- जाँच ही एकमात्र तरीका है, एस.टी.आई. का पता लगाने का
- समय से एस.टी.आई. इलाज के लिए एस.टी.आई. जाँच होना ज़रूरी है
- संपूर्ण सुरक्षा केंद्र पर एस.टी.आई. की जाँच के साथ ही एच.आई.वी. की जाँच भी नि:शुल्क उपलब्ध है

एस.टी.आई. की रोकथाम के लिए कुछ ज़रूरी क़दम

- हर बार कंडोम का सही और नियमित उपयोग करें
- हर तरह के सेक्स में कंडोम का उपयोग करें
- अंजान व्यक्ति या एक से अधिक यौन साथियों के साथ नियमित कंडोम का उपयोग करें
- साथी से एस.टी.आई. पर चर्चा करें
- नियमित जाँच कराएं

AIDS Helpline 1097

एच.आई.वी. और एस.टी.आई. से जुड़ी नि:शुलक परामर्श और सेवाओं के लिए संपूर्ण सुरक्षा केंद्र कोरोनेशन जिला चिकित्सालय, देहरादून पर आएं या अधिक जानकारी के लिए नेशनल टोल फ्री एड्स हेल्पलाइन 1097 पर संपर्क करें।

उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड

दूरभाष: 0135-2608885, ई-मेल: uksacs1@gmail.com, वैबसाईट: www.usacs.org.in

उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून द्वारा जनहित में जारी।

सत्यमेव जयते
Ministry of Health & Family Welfare
Government of India

USACS

NACO
National AIDS Control Organisation
India's response to HIV & Sexually Transmitted Infections
Ministry of Health & Family Welfare, Government of India
www.naco.gov.in

संपूर्ण सुरक्षा केंद्र आएँ

निःशुल्क एच.आई.वी. व एस.टी.आई. जाँच करवाएं

SAMPOORNA SURAKSHA
SURAKSHA SE SAMPOORNA SURAKSHA TAK

यह सामान्य और सरल जाँच है

सारी जानकारी गोपनीय रखी जाती है

नज़दीकी संपूर्ण सुरक्षा केंद्र पर निःशुल्क उपलब्ध है

एच.आई.वी. व एस.टी.आई. से सुरक्षित रहो

नियमित जाँच करवाने की आदत रखो

नियमित जाँच क्यों जरूरी है ?

- आपको एच.आई.वी. व एस.टी.आई. है या नही यह सुनिश्चित करने के लिए जाँच ही एकमात्र तरीका है
- अपनी एच.आई.वी. व एस.टी.आई. स्थिति का पता लगा कर आप स्वयं को और अपने यौन साथी को स्वस्थ रख सकते हैं
- एच.आई.वी. होने का जल्द पता लगने से और ए.आर.टी. का नियमित सेवन करने से एक लम्बा और स्वस्थ जीवन बिताया जा सकता है

जाँच किस के लिए है ज़रूरी ?

- **नियमित रूप से एच.आई.वी. की जाँच करवाएं यदि**
  - आप सामान्यत: यौन संबंध में कंडोम का सही और निरंतर प्रयोग नहीं करते हैं
  - आपने ऐसे व्यक्ति के साथ यौन संबंध बनाए हैं जिसकी एच.आई.वी. स्तिथि से आप अंजान हो
  - आपके एक से अधिक यौन साथी हैं
  - आप ड्रग्स को इंजेक्ट करने के लिए सुईं, सीरिंज या कोई अन्य उपकरण साझा करते हैं
  - आपको अन्य एस.टी.आई., हेपेटाइटिस या टीबी हुआ हो
- **अगर आप गर्भवती हैं या गर्भवती होने की योजना बना रही हैं, तो खुद की और अपने बच्चे की सुरक्षा के लिए एच.आई.वी. जाँच अवश्य करवाएं**

AIDS Helpline 1097
जानें समझें, जुग-जुग जीयें!

एच.आई.वी. और एस.टी.आई. से जुड़ी नि:शुलक परामर्श और सेवाओं के लिए संपूर्ण सुरक्षा केंद्र कोरोनेशन जिला चिकित्सालय, देहरादून पर आएं या अधिक जानकारी के लिए नेशनल टोल फ्री एड्स हेल्पलाइन 1097 पर संपर्क करें।

उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड

दूरभाष: 0135-2608885, ई-मेल: uksacs1@gmail.com, वैबसाईट: www.usacs.org.in

उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून द्वारा जनहित में जारी।